



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 3-2016] CHANDIGARH, TUESDAY, JANUARY 19, 2016 (PAUSA 29, 1937 SAKA)

General Review

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की वर्ष 2014-15 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा

दिनांक 4 जनवरी, 2016

Memo No. S&T/AAR/2016/36.—

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने अपनी गतिविधियों के संचालन पर प्लान स्कीम के अन्तर्गत 846.80 लाख रुपए और नॉन-प्लान स्कीम के अन्तर्गत 261.80 लाख रुपय की राशि खर्च की।
- डॉ० एस. के. चक्रवर्ति, प्रोफसर, मानव रचना अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, फरीदाबाद को कोबे (जापान) में 15 से 19 सितंबर, 2014 तक आयोजित 26वीं अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेने के लिए 25,000/- रुपए तथा डॉ० एम० एस० ग्रेवाल, प्रोफसर एवं अध्यक्ष, मृदा विज्ञान विभाग, सी. सी. एस., एच. ए. यू., हिसार को मोस्को (रूस) में 10 से 11 नवंबर, 2014 तक आयोजित दूसरी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेने के लिए 17,188/- रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- 'युवा चिंतक' योजना के तहत कुल 599 प्रविष्टियां में से 67 उम्मीदवारों को विशेषज्ञ समिति के समक्ष उनके विचारों की प्रस्तुति के लिए चुना गया तथा इसके उपरान्त विशेषज्ञ कमेटी ने 19 उम्मीदवारों को विभिन्न श्रेणियों के पुरस्कारों के योग्य पाया।
- विभाग ने राज्य के स्कूल विद्यार्थियों के लिए विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की। इन प्रतियोगिताओं का आयोजन जिला, जोन व राज्य स्तर पर किया गया।
- विभाग ने कॉलेज विद्यार्थियों के लिए भी जिला, जोन व राज्य स्तर पर 'विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं' आयोजित की।
- स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान निबन्ध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्कूलों से 153 व कॉलेजों से 160 विद्यार्थियों ने भाग लिया।
- फरीदाबाद व भिवानी में दो क्षेत्रीय विज्ञान सम्मेलनों का आयोजन किया गया। इन सम्मेलनों के दौरान प्रख्यात वैज्ञानिकों को विद्यार्थियों के साथ संवाद करने के लिए बुलाया गया।

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फेलोशिप कार्यक्रम के अन्तर्गत 6 विद्यार्थियों को फेलोशिप के लिए चुना गया।
- विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने बारे छात्रवृत्ति स्कीम के अन्तर्गत एम.एस.सी. (प्रथम वर्ष) के 100 विद्यार्थियों एवं बी.एस.सी. (प्रथम वर्ष) के 100 विद्यार्थियों को स्कीम के मानदंड अनुसार छात्रवृत्ति दी गई। इसके अतिरिक्त पिछले वर्षों के दौरान चुने गए विद्यार्थियों को उनकी योग्यता अनुसार छात्रवृत्ति राशि जारी रखी गई।
- तीन अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं सहायता अनुदान के लिए स्वीकृत की गई।
- विज्ञान पत्रिका "हरियाणा विज्ञान दर्पण" का प्रकाशन किया गया।
- वर्ष 2011-12 के लिए हरियाणा विज्ञान रत्न पुरस्कारों के लिए प्राप्त नामांकनों में से दो-दो वैज्ञानिकों का प्रत्येक हरियाणा विज्ञान रत्न और हरियाणा युवा विज्ञान रत्न पुरस्कार के लिए चयन किया गया।
- विद्यार्थियों में खगोल विज्ञान के प्रति जागरूकता पैदा करने हेतु रात के समय आकाश का अवलोकन करने के लिए कार्यालय भवन में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
- जिला इनोवेशन फंड के अंतर्गत 20 जिलों के लिए 713.15 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई।
- रसायन विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र को Chemists के 51वें वार्षिक सम्मेलन के आयोजन के लिए 50,000 रु. की वित्तीय सहायता प्रदान की।
- जोनल स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं के लिए राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली में दिनांक 13 जनवरी 2015 को एक दिन की एक्सपोजर विजिट आयोजित की गई।
- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए बौद्धिक संपदा सुविधा केन्द्र एवं पेटेंट सूचना केन्द्र ने विभिन्न उद्यमियों को 44 ट्रेडमार्क, 4 पेटेंट और 3 कॉपीराइट की सुविधा प्राप्त करवाई। इसके अलावा इन दोनों केन्द्रों ने विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों/उद्यमों में बौद्धिक संपदा अधिकार की जानकारी के लिए 48 व्याख्यान दिए।
- वर्ष के दौरान कल्पना चावला स्मारक तारामण्डल, कुरुक्षेत्र में नियमित शो दिखाने एवं अन्य गतिविधियां आयोजित की गई। वर्ष के दौरान 1,35,723 दर्शकों ने तारामण्डल का भ्रमण किया एवं टिकट की बिक्री से 29,26,615 रुपए का राजस्व अर्जित किया।
- पादप जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र में साजोसामान से युक्त प्लांट टिशु कल्चर प्रयोगशालाएं हैं। यह केन्द्र टिशु कल्चर तकनीक से विभिन्न प्रजातियों के पौधे विकसित कर रहा है। केन्द्र ने वर्ष के दौरान कुल 2,05,866 रुपये का राजस्व अर्जित किया।
- हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित परियोजनाओं पर कार्य किया: —
 - (i) उपग्रह, मौसम के आंकड़े व जमीनी आधार पर एकत्र किये आंकड़ों का उपयोग कर तथा राष्ट्रीय कृषि सूखा संभाल तंत्र द्वारा फसलों के उत्पाद का पूर्वानुमान (फसल और नादम्स)
 - (ii) हरियाणा के दस मुख्य धान उत्पादक जिलों में धान पुवाल जलाने वाले क्षेत्रफल का अनुमान
 - (iii) उपग्रह, कृषि मौसम विज्ञान व जमीनी आधार पर एकत्र किये आंकड़ों का उपयोग द्वारा फसलों के उत्पाद का पूर्वानुमान
 - (iv) विकेन्द्रीकृत योजना के लिए अन्तरिक्ष आधारित सूचना प्रणाली (एस आई एस — डीपी)
 - (v) हरियाणा के लिए टिकाऊ (sustainable) भूमि उपयोग योजना का विकास।
 - (vi) हरियाणा राज्य में जल शोधन प्रणाली का वैज्ञानिक मूल्यांकन (द्वितीय चरण: — चयन, स्थापना और आकलन)
 - (vii) यमुनानगर, हरियाणा में यमुना नदी कोर्स में ट्रेनिंग कार्य की हाई रिजोलुशन उपग्रह डाटा से मोनिटरिंग
 - (viii) हरियाणा में राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण परियोजना (एन.एल.आर.एम.पी.) के अन्तर्गत भूमि अभिलेखों का आधुनिकीकरण।
 - (ix) हरियाणा के रेत खनन क्षेत्र की मैपिंग
 - (x) सिंचाई की निगरानी के लिए भू-अभिलेख आंकड़ों की मानचित्रावली
 - (xi) पुलिस स्टेशन क्षेत्राधिकार मानचित्रावली
 - (xii) रोहताक नगर निगम सीमा में सभी कालोनियों की Cadastral mapping
 - (xiii) मरुस्थलीकरण क्षेत्रों की मैपिंग (चरण-II)
 - (xiv) हरियाणा में वन क्षेत्रों की सीमाओं का डिजिटাইजेशन
 - (xv) राष्ट्रीय भू-उपयोग भूमि कवर विश्लेषण — दूसरा चक्र।

- (xvi) हरियाणा स्थानिक डेटा मूल संरचना का विकास
- (xvii) नहरों और जल निकासी का डिजिटাইजेशन
- (xviii) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (ISRO) द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम
- (xix) गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के सहयोग से भौगोलिक सूचना प्रणाली में एम. टेक. कोर्स
- (xx) राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकरण कार्यक्रम (NLRMP)सेल/केन्द्र
- (xxi) दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (DHBVNL) के 33/11 kva एवं 66/11 kva सब स्टेशन का जी0आई0एस0 coordinate (अक्षांश / देशान्तर) के साथ उच्च संकल्प उपग्रह व नजदीक पंचायत की पहचान।
- (xxii) शासन के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली सुविधा केन्द्र।

सुमिता मिश्रा,
प्रधान सचिव हरियाणा सरकार,
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग।

**REVIEW OF ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
DEPARTMENT FOR THE YEAR 2014-15**

The 4th January, 2016

Memo No. S&T/AAR/2016/36.—

- The Science and Technology department incurred an expenditure of Rs.846.80 lacs under plan scheme and Rs. 261.80 lacs under non-plan scheme for implementing its activities.
- The financial assistance of Rs. 25,000/- was provided to Dr. S.K. Chakarvarti, Professor, Manav Rachna International University (MRIU), Faridabad and Rs. 17,188/- was provided to Dr. M.S. Grewal, Professor & Head, Department of Soil Science, CCS HAU, Hisar for attending International conference/seminar abroad.
- Under the scheme “Young Thinkers” out of 599 entries received, 67 candidates were shortlisted for making a presentation of their ideas before the expert committee. The Committee has recommended awards of different categories to the 19 candidates.
- The Department organised science quiz competitions for school students in the State. These competitions were organised at district, zonal and state level.
- The Department also organised Science quiz Competition for college students at district, zonal and state level.
- Science essay writing competitions for school and college students were organised. 153 school students and 160 college students participated in the state level competitions.
- Two regional science conclaves were organised at Faridabad & Bhiwani. In these conclaves eminent scientists were invited to interact with the students.
- 6 students were selected for fellowship under HSCST fellowship programme.
- 100 M.Sc. (Previous) and 100 B.Sc. - 1st year students were awarded scholarships under promotion of Science Education Scheme as per the merit criteria of the scheme. Besides, the scholarships were also renewed as per eligibility of the students selected during the previous years.
- Three Research & Development projects were approved for Grant-in-Aid.
- Science Magazine “Haryana Vigyan Darpan” was published.
- Two scientists each were selected for award of Haryana Vigyan Ratna and Haryana Yuva Vigyan Ratna Award for the year 2011-12.
- To create awareness about astronomy night sky viewing workshops were organized for school students in the office.
- The project received from 20 districts amounting to Rs. 713.15 Lacs were approved under District Innovation Fund.
- Financial assistance amounting to Rs.50000/- was released to Department of Chemistry, Kurukshetra University, Kurukshetra for organizing 51th Annual Convention of Chemists.

- A one day exposure visit was organized at National Science Centre, New Delhi on 13th January, 2015 for the winners of Zonal Level Science Quiz Competitions.
- Intellectual Property Facilitation Centre (IPFC) facilitated the filing of 44 trademarks of different industries, 4 patents and 3 copyrights besides delivered 48 lectures in various institutes, universities and industries to create awareness about Intellectual Property Rights (IPR).
- Regular shows and educational activities were organized at the Kalpana Chawla Memorial Planetarium, Kurukshetra. 1,35,723 visitors visited the Planetarium and revenue of Rs. 29,26,615 was generated through sale of ticket.
- The Centre for Plant Biotechnology has well equipped plant tissue culture laboratories and it is engaged in the production of elite germplasm of several crops through tissue culture technique. The centre has generated total revenue of Rs. 2,05,866 lacs during the year under report.
- **Haryana Space Application Centre (HARSAC), Hisar has taken up the following major projects during the year:-**
 - (i) Forecasting Agricultural output using Space, Agro-meteorology and Land Based Observation & National Agricultural Drought Management System (FASAL & NADAMS)
 - (ii) Area Estimation of Rice Stubble Burning in Ten Major Rice Growing Districts of Haryana (2014)
 - (iii) Forecasting Agricultural output using Space, Agro-meteorology and Land Based Observation (FASAL-RD)
 - (iv) Space based Information Support for Decentralized Planning (SIS-DP)
 - (v) Development of Sustainable Land Use Plan of Haryana
 - (vi) Scientific Evaluation of Water purification Systems in State of Haryana (Phase-II: Selection, Installation & Assessment)
 - (vii) Monitoring the Effect of Training Works in Yamuna River Course During 2014 Using High Resolution Satellite Data, Yamuna Nagar, Haryana
 - (viii) Modernization of Land Records under NLRMP in Haryana
 - (ix) Sand Mining Zone Mapping of Haryana
 - (x) Cadastral Data Atlas For Irrigation Monitoring
 - (xi) Police Station Jurisdiction Atlas
 - (xii) Cadastral mapping for all Colonies in the MC Limits of Rohtak Town
 - (xiii) Desertification Status Mapping (Cycle II)
 - (xiv) Digitization of Forest Boundaries in Haryana
 - (xv) National Land Use Land Cover Analysis-Second Cycle
 - (xvi) Development of Haryana Spatial Data Infrastructure (HSDI)
 - (xvii) Digitization of Irrigation and Drainage map of Haryana.
 - (xviii) ISRO sponsored training and awareness programmes.
 - (xix) M. Tech. (Geo-informatics) Programme in collaboration with G.J.U. S&T, Hisar
 - (xx) National Land Records Modernization Program(NLRMP)-Cell/Centre
 - (xxi) Providing GIS Coordinate (Lat/Log) of Panchayat Nearest to 33/11 kva & 66/11 kva Sub-Station (DHBNV) Sub-Station itself overlaid on Satellite imagery.
 - (xxii) Facilitation Centre for GIS in Governance.

SUMITA MISRA,
Principal Secretary to Government Haryana,
Science and Technology Department.